[Shri Braj Mohan Mohanty]

cide is ineffective to destroy that variety of insect. The Government of India should take immediate steps to investigate and examine the matter why such wide-spread areas were affected and why the pesticide was found as ineffective.

This is a very serious matter which needs immediate attention of the Agriculture Ministry.

(iii) Need to improve the working of Sir Sunderlal Hospital, Banaras

श्री जैनुल बशर (गाजीपुर) : सभापति महोदय, वाराणसी हिन्दू विश्वविद्यालय का सर सुन्दर लाल हास्पिटल पूर्वी उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा अस्पताल है। वहां पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों के अतिरिक्त बिहार तथा मध्य प्रदेश के कुछ भागों के मरीज भी गंभीर रोगो के इलाज के लिए आते हैं। पिछले दो तीन वर्षों से इस अस्पताल में कई बार डाक्टरों तथा कर्मचारियों द्वारा हड़ताल की गई है, जो काफी दिनों तक चलती रही है। पिछले दिनों अभी हाल ही में वहां के जूनियर डाक्टरों ने हड़ताल कर रखी थी। इन हड़तालों के कारण उक्त अस्पताल में चिकित्सा का काम ठप्प होता रहता है। इससे एक तरफ जहां मरीजों को बड़ी असुविधा होती है, वहीं अस्पताल में दाखिल गंभीर रोगों के मरीज उचित इलाज में बाधा पड़ने के कारण या तो मर जाते हैं या उनके स्वस्थ होने में काफी विलम्ब होता है।

अस्पताल के अधिकारियों, डाक्टरों तथा कर्मचारियों को यह शिकायत है कि बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के विद्यार्थी उनके साथ अक्सर दुर्व्यहार करते रहते हैं, दूसरी तरफ विद्यार्थियों की शिकायत है कि अस्पताल के डाक्टर मरीजों की ठीक से देख-रेख नहीं करते और गंभीर मरीजों को भी नजरंदाज करते हैं।

सर सुन्दरलाल अस्पताल ही उक्त क्षेत्र में ऐसा अस्पताल है, जहां गंभीर मरीजों का इलाज हो सकता है। इसके काम में बाधा पड़ने से बड़ी संख्या में गरीब मरीज दिल्ली, लखनऊ अथवा दूसरे बड़े अस्पतालों में जाने में असमर्थ हो जाते हैं। मेरी सरकार से मांग है कि वह बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के सर सुन्दरलाल अस्पताल में बराबर हो रहे व्यवधान के कारणों को जानने के लिए एक उच्च-स्तरीय समिति गठित करें, जो ऐसा उपाय सुझाए, जिससे वहां चिकित्सा का काम बिना बाधा पहुंचाए ठीक तरह से किया जा सके।

वाराणसी हिन्दू विश्वविद्यालय के कुलपति ने इस कार्य के लिए एक समिति गठित की है, लेकिन उक्त समिति से कोई नतीजा नहीं निकलने वाला है, क्योंकि अक्सर यह देखा गया है कि इनका कोई सही परिणाम नहीं निकलता और मरीजों को बराबर तकलीफ बनी रहती है। ऐसी दशा में सरकार द्वारा हस्तक्षेप किए जाने के अलावा कोई दूसरा रास्ता दिखाई नहीं पड़ता।

(iv) Non Payment of compensation for agricultural land and other properties acquired for establishing certain projects

SHRI RAM PYARE PANIKA (Robertsganj) : Due to non-payment of compensation of agricultural land and other properties, the cultivators are suffering a lot in the district of Mirzapur. So many industries and power houses are being established in the district, but it is very unfortunate that in spite of the assurances given by the concerned management and the authorities, the compensation is not being paid in time. The displaced persons are not being rehabilitated and given jobs in the projects. The projects are (1) the Super Thermal Power Station, Shakti Nagar and (2) the Rihand (Central Sector). There are some other projects in this district in which

compensation has not been given. I, therefore, want to draw the kind attention of the Central Government to intervene and come to the rescue of the cultivators.

(v) Funds for Sagarmal Gopa Branch Canal from Rajasthan Canal for irrigation in Barmer area

श्री वृद्धि चन्द्र जैन (बाड़मेर) : सभापति महोदय, राजस्थान नहर का निर्माण तीव्र-गति से चल रहा है। यह नहर जैसलमेर जिले के मोहनगड़ कस्बे में 2 अक्तूबर, 1983 तक पहुंच कर पचास हजार एकड़ क्षेत्र में सिंचाई के लिए पानी पहुंचा कर रेगिस्तानी क्षेत्रों की काया-कल्प कर देगी।

राजस्थान नहर की लीलवा शाखा, जिसको अब सागरमल गोपा के नाम से जाना जाता है, को बाड़मेर जिले के गढ़रा रोड तक बढ़ाने का हाल में राज्य सरकार ने जो निर्णय लिया है, उसको भी राज्य की जनता ने सराहा है।

सागरमल गोपा शाखा का पानी गढ़रा रोड पहुंचने के लिये नहर का प्राथमिक सर्वे प्रारम्भ हो चुका है। उक्त शाखा की 185 किलोमीटर अतिरिक्त खुदाई करने पर पानी गढ़ारा रोड़ तक पहुंच सकेगा। उससे ढाई लाख हैक्टेअर भूमि में सिंचाई की स्थायी व्यवस्था हो सकेगी।

यह शाखा हिन्द और पाकिस्तान के बिलकुल सीमा पर लगती हुई बनाई जायेगी जिसकी सुरक्षा की दृष्टि से बड़ा महत्व होगा और सीमावर्ती क्षेत्रों के लिए यह बरदान साबित होगी।

उक्त शाखा के निर्माण पर 50 करोड़ रुपये व्यय होंगे। राज्य सरकार की वित्तीय स्थिति ऐसी नही है कि उक्त योजना के क्रियान्वयन का भार वह उठा सके। अतः केन्द्र सरकार से पुरजोर आग्रहपूर्वक निवेदन है कि वे सीमावर्ती एवं पिछड़े थार रेगिस्तान के बाड़मेर एवं जैसलमेर जिलों में सिंचाई के लिये पानी पहुंचाने के लिये तुरन्त से तुरन्त सागरमल गोपा शाखा योजना के लिये 50 करोड़ की राशि का प्रबन्ध करें ताकि तीन वर्षों के अन्दर-अन्दर इस क्षेत्र में सिंचाई का पानी उपलब्ध हो सके और यह रेगिस्तानी क्षेत्र हरा-भरा हो सके।

(vi) Need for increasing the tele-communication facilities in Madhya Pradesh

श्री सत्यनारायण जटिया (उज्जैन) : मध्य प्रदेश में दूरसंचार प्रणाली ठीक प्रकार से कार्यरत नहीं है। प्रदेश की राजधानी सहित अनेक प्रमुख नगरो में दूर संचार व्यवस्था अस्त-व्यस्त है। दूर संचार की अविश्वसनीयता के कारण जहां दिनों दिन काम-काज प्रभावित हुआ है वही महत्व कार्यों का सम्पादन दुष्कर हो गया है। उज्जैन दूरभाष केन्द्र के विस्तार तथा रतलाम नीमच के दूरभाष केन्द्रों से स्वचलीकरण में अप्रत्याशित विलम्ब होने के कारण प्रतिक्षा सूची में पंजीबद्ध व्यक्ति दूरभाष सुविधा से बंचित है। भोपाल दूरभाष उपभोक्ता संघ के अध्यक्ष एवं विधायक ने राजधानी की दूरभाष की विषम स्थिति से माननीय संचार मंत्री को अवगत कराया है।

अतएव मेरा संचार मंत्री से आग्रह है कि मध्य प्रदेश में दूर संचार प्रणाली को सक्षम बनाने के लिये तथा उज्जैन दूरभाष केन्द्र का विस्तार तथा रतलाम, नीमच के दूरभाष केन्द्रों के स्वचलीकरण के लिये तत्काल आवश्यक निर्देशक दिये जावे।

**The Original speech was delivered in Sanskrit.